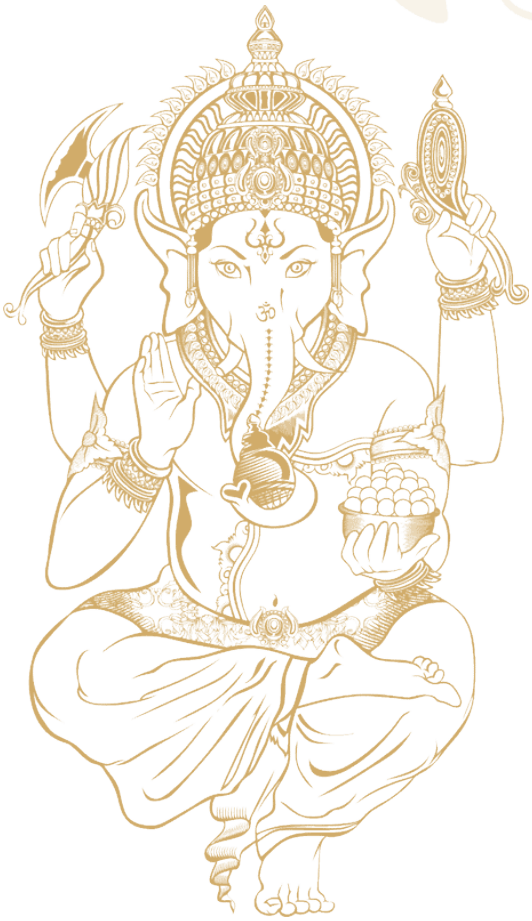

Mr. Yashdeep Singh

Ms. Anshita Singh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119111901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119111901 Date: 16/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/09/1995	जन्म तिथि	18-19/05/1996
बुधवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 19:22:00	जन्म समय	04:25:00 घंटे
घटी 34:07:36	जन्म समय(घटी)	58:02:42 घटी
India	देश	India
Varanasi	स्थान	Bikramganj
25:20:00 उत्तर	अक्षांश	25:13:00 उत्तर
83:00:00 पूर्व	रेखांश	84:15:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:00	स्थानिक संस्कार	00:07:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:57	सूर्योदय	05:07:08
18:05:57	सूर्यास्त	18:32:04
23:47:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:27
मीन	लग्न	मेष
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मेष	राशि	वृष
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
भरणी	नक्षत्र	रोहिणी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	4
व्याघात	योग	सुकर्मा
कौलव	करण	बालव
ले-लेखपाल	जन्म नामाक्षर	वू-वूली
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
गज	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 9वर्ष 11मा 30दि		23:59:55	मीन	लग्न		मेष	21:32:29	चन्द्र 1वर्ष 6मा 18दि	
मंगल		26:30:24	सिंह	सूर्य		वृष	04:26:56	गुरु	
12/09/2021		20:00:02	मेष	चंद्र		वृष	21:15:57	06/12/2022	
12/09/2028		10:22:39	तुला	मंगल		मेष	18:15:50	06/12/2038	
मंगल	09/02/2022	22:50:21	कन्या	बुध	व	मेष	28:26:51	गुरु	24/01/2025
राहु	27/02/2023	14:17:17	वृश्चि	गुरु	व	धनु	23:31:38	शनि	07/08/2027
गुरु	03/02/2024	02:55:53	कन्या	शुक्र		मिथु	04:27:27	बुध	12/11/2029
शनि	14/03/2025	27:37:15	कुंभ व	शनि		मीन	10:39:40	केतु	19/10/2030
बुध	11/03/2026	03:09:15	तुला	राहु	व	कन्या	22:39:26	शुक्र	19/06/2033
केतु	07/08/2026	03:09:15	मेष	केतु	व	मीन	22:39:26	सूर्य	07/04/2034
शुक्र	07/10/2027	02:56:33	मक व	हर्ष	व	मक	10:44:03	चन्द्र	07/08/2035
सूर्य	12/02/2028	29:06:01	धनु व	नेप	व	मक	03:50:40	मंगल	13/07/2036
चन्द्र	12/09/2028	04:22:36	वृश्चि	प्लूटो	व	वृश्चि	08:02:01	राहु	06/12/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:27

लग्न-चलित

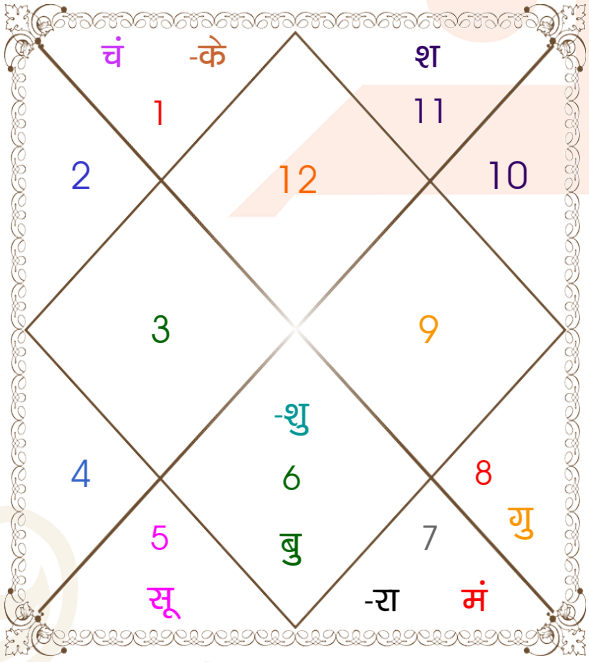

लग्न-चलित

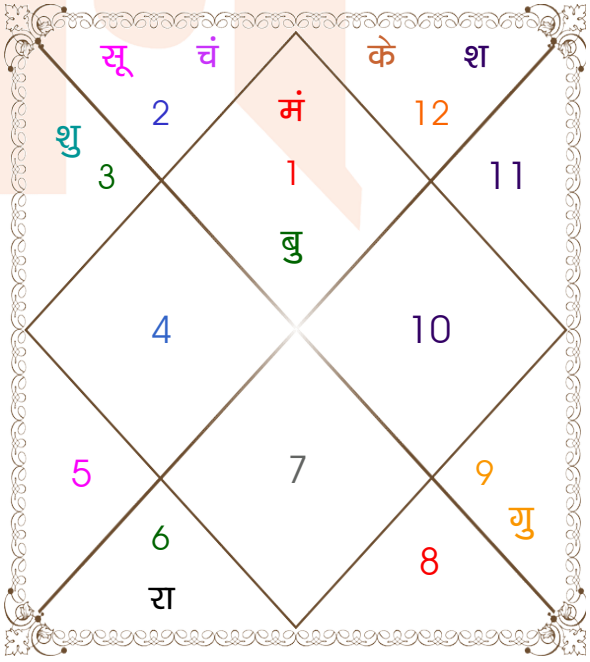

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

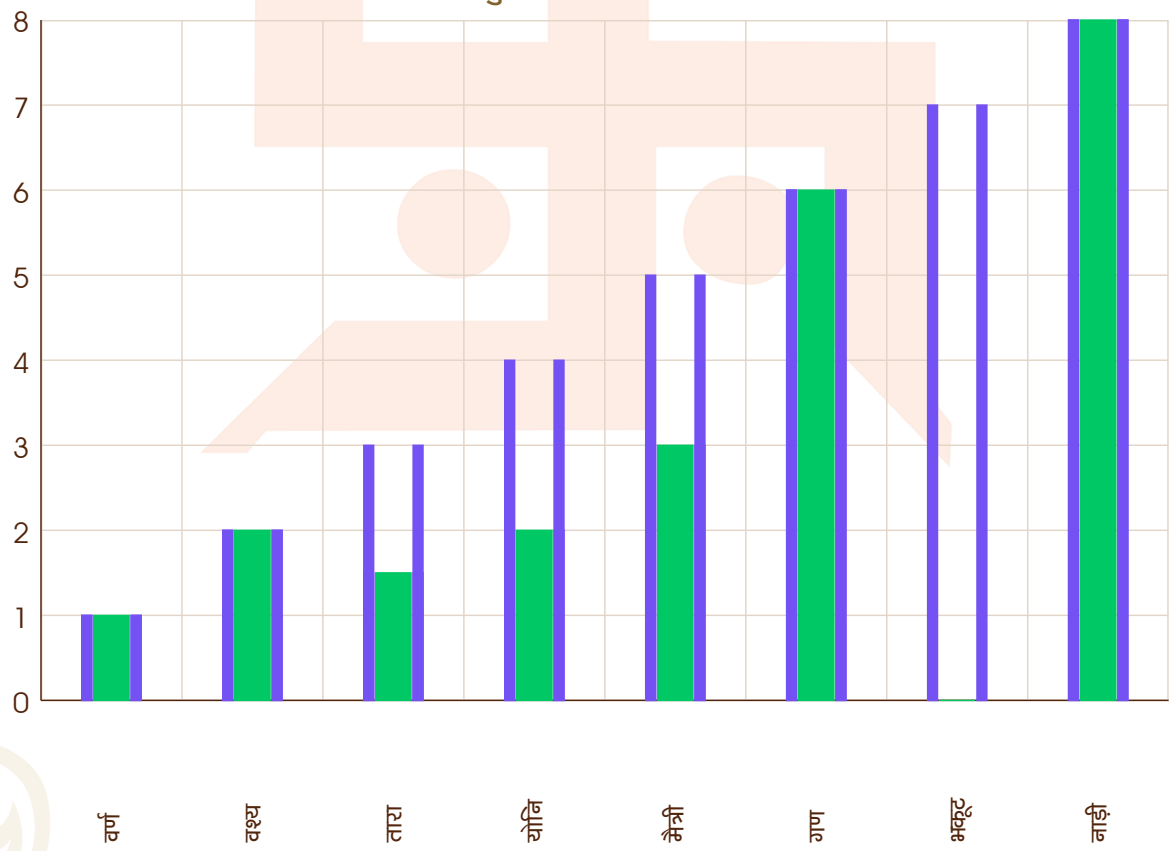

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. Yashdeep Singh का वर्ग मृग है तथा Ms. Anshita Singh का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Yashdeep Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. Yashdeep Singh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Anshita Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. Anshita Singh कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ए;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Ms. Anshita Singh कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Anshita Singh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Yashdeep Singh तथा Ms. Anshita Singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. Yashdeep Singh का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms. Anshita Singh का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Ms. Anshita Singh आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Ms. Anshita Singh की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Mr. Yashdeep Singh का वश्य चतुष्पद है एवं Ms. Anshita Singh का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Mr. Yashdeep Singh एवं Ms. Anshita Singh दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Mr. Yashdeep Singh की तारा मित्र तथा Ms. Anshita Singh की तारा विपत है। Ms. Anshita Singh की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mr. Yashdeep Singh एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms. Anshita Singh का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Mr. Yashdeep Singh की योनि गज है तथा Ms. Anshita Singh की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही

सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. Yashdeep Singh एवं Ms. Anshita Singh दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr. Yashdeep Singh का गण मनुष्य तथा Ms. Anshita Singh का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। ं तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr. Yashdeep Singh से Ms. Anshita Singh की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms. Anshita Singh से Mr. Yashdeep Singh की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Mr. Yashdeep Singh गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms. Anshita Singh समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Mr. Yashdeep Singh शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Mr. Yashdeep Singh की नाड़ी मध्य है तथा Ms. Anshita Singh की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है।

अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Mr. Yashdeep Singh एवं Ms. Anshita Singh के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. Yashdeep Singh की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा Ms. Anshita Singh की राशि पृथ्वीतत्व युक्त वृष राशि है। चूंकि अग्नि एवं पृथ्वी में समानताएं कम एवं असमानताएं अधिक हैं अतः इनकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमताएं विद्य मान रहेंगी जिससे ये समय समय पर व्यवधानों का सामना करेंगे। अतः Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh दोनों को आपसी सांमजस्य एवं सहनशीलता के भाव को प्रदर्शित करना पड़ेगा तभी किंचित समता हो सकती है।

Mr. Yashdeep Singh की राशि मेष एवं Ms. Anshita Singh की राशि वृष दोनों एक दूसरे की सम हैं। अतः राशि के प्रभाव से Mr. Yashdeep Singh परिश्रमी, पराक्रमी, शीघ्र आवेग में आने वाले, अपने को श्रेष्ठ समझने वाले, असंयत अधिक व्यय करने वाले, बातूनी तथा आशावादी प्रवृति के व्यक्ति होंगे परन्तु Ms. Anshita Singh गम्भीर एवं अल्प भाषी, व्यावहारिक, अभिमानी तथा निराशावादी होंगी। इस प्रकार इनमें विषमताओं की प्रबलता रहेगी परन्तु एक दूसरे को समझने तथा परस्पर सामंजस्य से इसमें किंचित न्यूनता कर सकते हैं। आप दोनों की राशि एक दूसरे की राशि से द्वितीय-द्वादश में पड़ती है अतः इससे आपके व्यय में वृद्धि रहेगी फलतः आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

आप दोनों का वश्य चतुष्पाद है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरूचियां समान रहेंगी तथा दाम्पत्य सुख की प्राप्ति में परस्पर आकर्षण उत्साह एवं प्रसन्नता का भाव रहेगा जिससे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन में आपको शांति एवं सन्तुष्टि के क्षणों की प्राप्ति होगी।

Mr. Yashdeep Singh का वर्ण क्षत्रिय होने के कारण वह साहसी परिश्रमी एवं उत्साही व्यक्ति होंगे तथा कार्य क्षेत्र में परिश्रम एवं योग्यता से सफलता प्राप्त करेंगे। Ms. Anshita Singh का वैश्य वर्ण होने के कारण व्यापारिक बुद्धि का प्रदर्शन करेंगी तथा बुद्धिमता से धनार्जन करेंगी तथा आर्थिक क्षेत्र में सुदृढ़ता प्रदान करने में उनका प्रमुख योगदान रहेगा।

धन

Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms. Anshita Singh की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Mr. Yashdeep Singh

भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr. Yashdeep Singh की नाड़ी मध्य तथा Ms. Anshita Singh की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से मुक्त रहेंगे अतः गंभीर शारीरिक कष्ट से सुरक्षित रहेंगे लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही संभोग क्रिया में भी दोनों शिथिलता तथा उदासीनता प्रदर्शन का करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अल्पता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त Ms. Anshita Singh के गर्भपात की भी संभावना रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh दोनों को हनुमान की उपासना, मंगलवार के उपवास तथा मूंगा आदि धारण करना चाहिए। इससे अशुभ प्रभावों में न्यूनता तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Anshita Singh के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Anshita Singh को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Anshita Singh को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. Yashdeep Singh और Ms. Anshita Singh का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Anshita Singh तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में

अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms. Anshita Singh धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms. Anshita Singh के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms. Anshita Singh का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Mr. Yashdeep Singh के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Mr. Yashdeep Singh के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr. Yashdeep Singh के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Mr. Yashdeep Singh भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।